मैथिली

शास्त्री तृतीय वर्ष

तृतीय पत्र

पाठ्यक्रम फलितांश –

(1) विचार वीची -प्रो0 श्री आनन्द मिश्र

छात्रलोकनि मिथिला साहित्यक आलेख माध्यमसँ मैथिली गद्यक विकास कमक परिचय प्राप्त हेतैन।

(2) जीवन यात्रा - प्रो0 हरिमोहन झा

जीवनी पढ़लासँ छात्र व्यक्तित्वक विकासमें सहयोग भेटैछ।

(3) मैथिली लोक साहित्यक स्वरूप ओ सौन्दर्य- डा0 रामदेव झा

लोक साहित्यसँ समाजक प्रत्येक वर्गक धार्मिक आ व्यवहारिक स्वरूपक प्रस्तुतिकरण होइछ। छात्र परम्परागत आ व्यवहारक ज्ञान में सहयोगी हेत

(4) मैथिली लोक गाथा- डा0 महेन्द्र नारायण राम

समाजिक सांस्कृति व्यवहारक स्वरूप गीतक माध्यमे प्रस्तुत कएल जाइत अछि। जनश्रुतिक गायणसँ छात्रके लाभ होइछ।

(5) मैथिली साहित्यक इतिहास-(डॉ0 दुर्गानाथ झा श्रीश') वैसापिक साहित्यक संज्ञान सँ छात्र परिपुरित प्रशिक्षित होइत छथि।

(6) मैथिली पत्रिकारिताक इतिहास-पं0 चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

पत्रकारिता संविधानक चारिम स्तम्भ थिक। पत्र पत्रिकाक इतिहासक माध्यमे छात्र लाभांवित होइत छथि।